जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

29 दिसंबर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

मानविकी एवं भाषा संकाय, जामिया के छात्रों ने किया "विकसित भारत@2047" के विज़न पर चर्चा

"विकसित भारत@2047" के हिस्से के रूप में, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मानविकी एवं भाषा संकाय के छात्रों ने विश्वविद्यालय के एफटीके-सेंटर फॉर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में स्थापित विचार केंद्र का दौरा किया और इसके दृष्टिकोण पर जोरदार ढंग से अपने विचार साझा किए।विकसित भारत@2047 विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवा प्रतिभाओं के इस कार्यक्रम में इंटरैक्टिव सत्र में दो संकाय सदस्यों के साथ कुल अठारह (18) छात्रों ने भाग लिया।

छात्रों का विशेष ध्यान हमारी प्यारी मातृभूमि की आजादी के 100वें वर्ष यानी 2047 तक भारत के सर्वांगीण विकास के विचार पर रहा। छात्रों द्वारा प्रस्तुत विचार और दृष्टिकोण ने विकास के सभी पहलुओं को शामिल किया, जिसमें समानांतर में पर्यावरणीय विकास को बनाए रखते हुए उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति, भारतीय लोकाचार और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करके सामाजिक प्रगति और सामाजिक एकजुटता शामिल है।

छात्रों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ सकल विकास उत्पाद, मानव विकास सूचकांक को बढ़ाने, साक्षरता दर में सुधार और निरक्षरता को पूर्ण रूप से समाप्त करने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों पर जोर दिया। उन्होंने कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, इंजीनियरिंग, फार्मास्यूटिकल्स, रक्षा, रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आदि सहित हर क्षेत्र में अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बढ़ती उम्र के उपयोग के साथ औद्योगिक और कृषि क्रांति के महत्व, देश में बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय सुधार के साथ-साथ स्वदेशी प्रौद्योगिकियों पर भी जोर दिया।

बी.ए. (ऑनर्स) इस्लामिक स्टडीज के छात्रों शाहनवाज और जुवैरिया अब्दुल्ला; बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी के छात्रों सैयद साशा अफाक और कायनात फातिमा; बी.ए. (ऑनर्स) फ्रेंच और फ्रैंकोफोन स्टडीज के छात्रों पुलकित दीक्षित और आराध्या सिंह, मो. सदन; बी.ए. (ऑनर्स) उर्दू के छात्र, सैयद महमूदुर रहमान हुसैनी; एम.ए. उर्दू के छात्र, मोहम्मद शादाब क़मर और तनवीर अहमद; एम.ए. अरबी के छात्र, रामानंद कुमार और आकांशा कुमारी; एम.ए. मास मीडिया हिंदी के छात्र यास्मीन फिरदौस, मोहम्मद अफ़ज़ल ज़ैदी; फ़ारसी में पीएचडी के छात्र हृषिकेश प्रधान और विश्वजीत महतो; संस्कृत में पीएच.डी. के छात्र मोहम्मद अज़हरुल हक मल्लिक और इतिहास में पीएच.डी. के छात्र क्षितिज कुमार ने राय प्रस्तुत की।

छात्रों के साथ विदेशी भाषा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद फैजुल्लाह खान और हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा भी थे। छात्रों ने "विकितभारत@2047" के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए अपना आत्मविश्वास और आशावादी दृष्टिकोण प्रकट किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया